आमदार
विधानपरिषद सदस्य

सत्यमेव जयते

हरिभाऊ राठोड
आमदार (MLC)
माजी खासदार
लोक सभा
मोबाईल: ९९२०७१६९९९
टेली फॅक्स: ०२२ २५६८६६९९

भूमिका

भारत वर्ष में करोड़ों की संख्या में निवास करने वाला बंजारा समाज जिसकी बोली और भाषा देश भर में एक सामान है , उस समाज के महान ऐतिहासिक इतिहास से अवगत कराने के लिये श्री श्याम नायक ने "बंजारा यशोगाथा " हम कुण छा..... लिखी है , इसका अवलोकन किया |

यह पुस्तक समाज के बारे में छुपें हुये इतिहास को नई पीढ़ी से अवगत कराने में कारगर सिद्ध होगी | और एक ऐतिहासिक दस्त ऐवज साबीत होगी ! पुस्तक में संत श्री सेवालाल महाराज , श्री लक्खिशाह बंजारा , श्री रूपसिंह महाराज , श्री गोविन्द गिरी , श्री हाथीराम बाबा , श्री जंगी-भंगी भुक्किया , श्री गोरा बादल , जयमल फत्ता के बारे में ऐतिहासिक जानकारी से समाज को अवगत कराने का जो प्रयास किया है , उससे हमें अपने आपको , अपने इतिहास के बारे में जानकर व उनकी गौरव गाथा को पढ़कर गौरव का अनुभव होता है |

मध्यप्रदेश की धरती पर जीवनदायिनी माँ नर्मदा नदी जिसका उल्लेख रेवा नायक से होता है , साथ ही मध्यप्रदेश के लाखा बंजारा की शहादत से निर्मित "सागर झील" के इतिहास को जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई | श्री शाम नायक ने बंजारा समाज और सिक्ख समाज से सम्बन्ध के बारे में भी अच्छी जानकारी दी है | संत तपस्वी रामरावजी महाराज पोहरागड के बारेमे जो लिखा है, यह भी सत्य है ! आज भी करोडो लोग देवतूल्य मानते है । सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मीक और आर्थिक परिवर्तन समाजके भीतर लाना और हजारो मैल का प्रवास तांडो- तांडो मे जाकर करणा यह अपने आप मे रेकॉर्ड है ! ब्रम्हलीन संत श्री लक्ष्मण चैतन्य बापूजी का जीवन परिचय भी बहुत अच्छा वर्णन किया है | बापूजीने जीवित होते हुये, संत श्री गोपाल चैतन्य बाबाजी को अपने गादीपे बिठानेका निर्णय लिया था। श्री गोपालजी बाबा भली भाती बापूजीके नक्षेकदम, अखिल भारतीय चैतन्य परिवार का विस्तार देशभर मे कर रहे है, केवल बंजाराही नही, सभी समाज के साथ आदिवासी समाज मे भी चेतना जगा रहे है, और आध्यातत्मका पाठ पढा रहे है !

श्री श्याम नायक ने "गूंज-ए-बंजारा" के संपादक रहते हुये अपनी कलम से समाज को जगाने का जो प्रयास किया था , वह रुक गया था | पुनः एक बार इस "बंजारा यशोगाथा" के माध्यम से समाज को अपने गौरव का अहसास कराया है |

मेरी और से बहुत-बहुत शुभकामना |

ता.08/12/2017

आपका,
हरिभाऊ राठोड़
पूर्व सांसद एवम विधायक महाराष्ट्र

E-mail : haribhaurathod@gmail.com • Website: www.haribhaurathod.com

मुंबई : ए-२०१, बंजारा हिल, बाबासाहेब नाईक सोसायटी, अशोक नगर पोलीस स्टेशन जवळ, मुलुंड (वे), मुंबई-८० टेली- 25686699 मोबाईल : 09868180458, 09920716999
यवतमाळ : अश्विनी टॉवर, डरवाहा रोड, यवतमाळ, महाराष्ट्र - ४४०००१ . टेली - 07232-256333, 256010

संत श्री तपस्वी बालब्रम्हचारी रामरावजी महाराज

श्री संत शिरोमणी सेवालालजी महाराज के पश्चात, उनके गादीपती बननेवोलो मे से, रामजी नायक उनके बाद, भीमा नायक, हापा नायक, सुकालाल महाराज, हरलाल महाराज, रतनसिंग महाराज, परसराम महाराज, और अब गादीपती , संत श्री रामरावजी महाराज है। संत श्री रामरावजी महाराजजी का जन्म ०७ जुलै १९३५ पोहरागड ता. मानोरा जिला वाशीम, महाराष्ट्र मे हुवा था। बचपन सेही श्री जगदंबा देवी के पूजाअर्चा मे उनका मन लगा रहता था। १९४८ मे परसरामजी महाराज के देहांत के बाद सभी दूर दराज से आये हुये, भक्त गणोने उनको सन्मान के साथ गादीपे बिठाया था। जब वह तेरा साल के थे, तब से आज तक उंन्होने अन्न त्याग किया है, और घोर तपश्चर्या की और बालब्रह्मचारी रहे। श्री संत सेवालालजी महाराज के संत परंपरा मे वह एकमेव ऐसे महाराज सबित हुये, जो ब्रह्मचारी भी रहे, और निरंकारी, और अन्न त्याग करणेवाले महान तपस्वी सबित हुये। उंन्होने बचपन से ही पुरे दक्षिण भारत का, लगातार प्रवास किया, और आंध्र, कर्नाटका, और महाराष्ट्र से समाज बंधूओको अध्यात्मके साथ जोडणे का महान कार्य किया। आंध्र कर्नाटका, तेलंगणा, और मराठवाडा जैसे, अतिपिछाडे इलाकोमे जहाँ समाज बंधूओको नहानेका मालूम नही था, व्यसन से लुप्त थे, झगडा करना यही परंपरा रही थी, ऐसे करोडो करोडो लोगोको गत साठ साल से समाज के भीतर बडापरिवर्तन लानेका काम किया ! समाज मे सामाजिक परिवर्तन, धार्मिक परिवर्तन, के साथ आर्थिक परिवर्तन भी उंन्होने किया, जहाँ जहाँ नशा करणा बंद हुवा,अपनी मेहनत के साथ, आगे बडे, अच्छि खेती की, व्यापार धंदा किया और मजबुतीके साथ आगे आते दिकते है। करोडो करोडो लोगोको उंन्होने नशा न लेनेकीं शपथ दिलवाई, यह वल्ड रेकॉर्ड भी हो सकता है।

दक्षिण भारत के ऐसा कोई तांडा नही होगा, जहाँ सेवाभाया का मंदिर नही है, हर तांडो मे जबभी मंदिर बनेगा, उसका कलश या मंदिरका उदघाटन उनके बगर होई नही सकता ! आज भी मंदिर बनेगा वहा संत श्री रामरावजी महाराज के चरणस्पर्श होने के बादही वहाँ, प्राणप्रतिष्ठा होती है! जब भी कोई बंजारा उन्हके चरणोमे जाता है, और उनका स्पर्श होने के बाद, यह महसुस करता है, मै भगवान के सानिध्य मे आगया हू, अब मेरा कल्याण होगा, और सभी दुखोंका बेडापार होगा ! बंजारा के संत परंपरा मे, अदभुत शक्ती, और करोडो करोडो भक्तगणो के दिलो मे छाये हुये बडे संत माने जाते है! उनके प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम करोडो भक्तो गणोमे दिखती है ! शुद्ध आचरण रखने वाले, महान संतोमे उनकी गणणा हो सकती है !